UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल)

सत्रीय कार्य

Last date of Submission: **15/06/2014** **(जमा करने की अन्तिम तिथि. 15/06/2014.)**

कोर्स शीर्षक	**:**	**उत्तराखंड का लोक साहित्य**	**कोर्स कोड**	**:**	**MAHL 205**
सत्र	**:**	**2013-14**	**अधिकतम अंक**	**:**	**40**
पाठ्यक्रम कोड	**:**	**MAHL 12**	**वर्ष**	**:**	**द्वितीय वर्ष**

भाग 'क'

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पॉच अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

1. लोक से आप क्या समझते हैं ? संक्षेप मैं समझाईये .
2. लोकसाहित्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए .
3. लोकसाहित्य की उपादेयता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए .
4. लोकोक्तियों का वर्गीकरण कीजिए .
5. कुमाउँनी लोक साहित्य का संक्षिप्त वर्गीकरण कीजिए
6. कुमाउँनी लोकगीतों की विशेषता बताइए .
7. गढ़वाली लोकगाथा 'जागर' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए .
8. गढ़वाली लोककथाओं की विशेषताएं समझाइए .

भाग 'ख'

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए *दस* अंक निर्धारित है।

1. कुमाउँनी लोकगाथाओं के इतिहास को बताते हुए उसके भावपक्षीय वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए .
2. गढ़वाली लोकगीतों के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए .
3. कुमाउँनी लोकगीतों पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए .
4. गढ़वाली लोक कथाओं का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके भेद तथा विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए